

द्वादश दार्स

द्वितीयतः फेरेशतादेर प्रति ईमान आना

फेरेशतादेर प्रति समष्टिगत ओ विशेषतः ङैमान आनते हवे। समष्टिगत बलते आमामेदेरके विश्वास स्थापन करते हवे ये, महान आल्लाहर फेरेशता रयेछेन। तांदेरके तिनि आनुगतयेर स्वभाव दिये सृष्टि करेछेन। तांरा विभिन्न प्रकारेर। किछु फेरेशता आल्लाहर आरश धारण करेन। किछु जान्नात ओ जाहान्नामेर रक्कक। एकदल मानुषेर आमलनामा संरक्कण करेन। आर विशदतः बलते, आमामेदेरके ऐ सब फेरेशतादेर प्रति विशद ईमान आनते हवे, यांदेर नाम आल्लाह ओ तांर रासूल उल्लेख करेछेन। येमन जिबरील, मिकाइल, मालिक (जाहान्नामेर दारओयान) एवं शिद्दाय फूँ देओयार दायित्ते नियोजित फेरेशता इसराफील। आल्लाह फेरेशतादेरके नूर द्वारा सृष्टि करेछेन। येमन आयेशा-रायियाल्लाह आनहा-थेके वर्णित हादीसे एसेछे रासूलुल्लाह-ﷺ-बलेछेन,

((خُلِقَتِ الْمَلَائِكَةُ مِنْ نُورٍ، وَخُلِقَ الْجَانُّ مِنْ مَارِجٍ مِنْ نَارٍ، وَخُلِقَ آدَمُ مِمَّا وُصِفَ لَكُمْ)) [رواه مسلم]

“फेरेशतागण नूरेर सृष्टि, जिन्नरा आणुनशिखा द्वारा सृष्टि एवं आदमके या दिये सृष्टि करेछेन ता आल्लाह (कुरआने विभिन्न आयाते) तोमामेदेरके बले दियेछेन।” (मुसलिम २९९७)

तृतीयतः ग्रन्थसमूहेर उपर ईमान आना

समष्टिगततः ए विश्वास करा ये, महान आल्लाह सतेर प्रकाश ओ तार प्रति आह्वानेर जन्य युगे युगे नबी ओ रासूलदेर उपर बह संथक किताब अवतीर्ण करेछेन। आर ये समस्त किताबेर नाम आल्लाह उल्लेख करेछेन, तार प्रति आमामेदेरके विशदतः ईमान आनते हवे। येमन, ताओरात, ईज्जील, याबूर ओ कुरआन। ए ङुलेर मध्ये कुरआनइ सर्वोत्तम ओ सर्वशेष किताब, या पूर्ववती किताबसमूहेर संरक्कक ओ सत्यायनकारी। समग्र उम्मतके एखन रासूल-ﷺ-कर्तक वर्णित विशुद्ध सुन्नात सह ऐ कुरआनेरइ अनुसरण करते हवे। केनना, महान आल्लाह मुहाम्माद-ﷺ-के समस्त मानुष ओ जिन्नदेर जन्य रासूल करे पाठियेछेन। आर तांर प्रति ऐ महग्रन्थ अवतीर्ण करेछेन। याते करे तिनि एरइ द्वारा तादेर मध्ये विचार-फायसाला करेन। आर ऐ कुरआनके महान आल्लाह अणुतेर यावतीय रोगेर निरामयकारी, प्रत्येकटि विषयेर सुस्पष्ट वर्णनादानकारी एवं विश्वासिीर जन्य हेदायात ओ रहमतेर उँस बानियेछेन। येमन आल्लाह ताआ’ला बलेन, “ऐ किताब (कुरआन) आमी अवतरण करेछि या कल्याणमय। सुतरां ओर अनुसरण करो एवं सावधान हओ, हयतो तोमामेदेर प्रति दया प्रदर्शन करा हवे।” (सूरा आनआम १५५) तिनि आरो बलेन,

﴿ وَنَزَّلْنَا عَلَيْكَ الْكِتَابَ تَبْيَانًا لِكُلِّ شَيْءٍ وَهُدًى وَرَحْمَةً وَبُشْرَى لِلْمُسْلِمِينَ ﴾ [النحل: १५९].

“आर आमी तोमार प्रति ग्रन्थ अवतीर्ण करेछि प्रत्येक विषयेर स्पष्ट व्याख्या स्वरूप एवं आत्समर्पणकारी (मुसलिम)देर जन्य, पथनिर्देश, करुणा ओ सुसंवाद स्वरूप।” (सूरा नाहल ८९)